राष्ट्रीय हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

गजब हरियाणा

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

संपादक : जरनैल सिंह सह संपादिका : सृष्टि देवी छायाकार : राजरानी PKL NO.: 0184/2024-26

WWW.GAJABHARYANA.COM 16 सितम्बर 2025, वर्ष : 08, पृष्ठ : 04, अंक : 12, मूल्य : 7 रुपए, वार्षिक मूल्य : 150 रुपए Email: gajabharyananews@gmail.com

ज्ञान विचार

घायल तो यहां हर परिंदा है। मगर जो फिर से उड़ सका वही जिंदा है..

सीएम नायब सिंह सैनी ने पिपली से पंजाब के लिए राहत सामग्री के 20 ट्रकों को झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रदेश सरकार ने बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को पहुंचाई 5-5 करोड़ रुपये की सहायता : नायब सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ. जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को हरियाणा प्रदेश की तरफ से तुरंत 5-5 करोड़ रुपए की सहायता राशि भेजी जा चुकी है। केंद्र सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिवस पंजाब व हिमाचल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और दोनों प्रदेशों में हुए नुकसान के लिए 3100 करोड़ रुपए की मदद की भी घोषणा की, जिसमें पंजाब को 1600 करोड़ रुपये और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपए शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 10 सितंबर बुधवार को कुरुक्षेत्र के पिपली अनाज मंडी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र जिला से पंजाब के लिए राहत सामग्री के 20 ट्रकों को हरी झंडी दिखा रवाना किया। इन ट्रकों को अलग-अलग जिलों के लिए भेजा गया है। ट्रकों में दाल, चावल, पानी, रस, आचार, मेडिकल किट, मच्छरदानी, तिरपाल, पशुओं के लिए हरा चारा, चौकर सहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि पंजाब, हिमाचल, जम्मू कश्मीर के लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इन बाढ़ प्रभावित इलाकों में हरियाणा के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, समितियों के सहयोग से राहत सामग्री भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जो भी क्षेत्र जलभराव से प्रभावित हैं, ऐसे क्षेत्रों के नागरिकों व किसानों को सरकार मुआवजा देने का काम कर रही है। ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है, प्रभावित नागरिक इस पोर्टल पर अपना आवेदन करें। उन्होंने बताया कि अब तक जलभराव से प्रभावित 5786 गांवों के 3 लाख 24 हजार 583 किसानों ने 19 लाख 22 हजार 617 एकड़ के खराबे का पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण मृत्यु होने पर उस परिवार को तुरंत 4 लाख रुपए की राशि सहायता के तौर पर दी जा रही है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की हानि होने पर मुआवजा निर्धारित किया गया है। पिछले साढ़े 10 सालों में किसानों को फसलों के खराबे का 15500 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। उन्होंने प्रदेश सरकार के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपनी इच्छा अनुसार हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के नव निर्वाचित उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को बधाई और शुभकामनाएं दी। नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इतिहास गवाह है जब भी देश में कोई विपदा या आपदा आई है तब राहुल गांधी विदेश दौरे पर चले जाते हैं। इस समय भी ऐसी ही स्थिति है। देश के पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर में बाढ़ आई हुई है और राहुल गांधी विदेश में बैठे हैं, उन्होंने कहा कि मेरा भी विदेश का दौरा था, लेकिन इस स्थिति को देखते हुए विदेश के दौरे को रद्द कर दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा आज पंजाब के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि पंजाब में पैसे की कमी नहीं है, हमें किसी से पैसे मांगने की जरूरत नहीं। पंजाब हरियाणा का पड़ोसी राज्य है, हमारा दायित्व और कर्तव्य बनता है कि इस विपदा के समय में हम पंजाब के लोगों की मदद करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7 लाख 47 हजार परिवारों को मकान बनाने के लिए 2,314 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई। इसी तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर नवीनीकरण योजना के तहत मकान की मरम्मत के लिए 76,985 परिवारों की कच्ची छत को पक्का करने के लिए 416 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई। इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 80,000 रुपए दिए गए हैं।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय जाट महासभा, बर्फानी सेवा मंडल, स्थानेश्वर महादेव मंदिर, खाटू श्याम मंदिर, वैश्व अग्रवाल सभा, फिनिक्स क्लब, रिलायंस क्लब, रोटरी क्लब, एसडी गर्ल्स स्कूल, पिपली अनाज मंडी, थानेसर अनाज मंडी, लाडवा अनाज मंडी सहित जिला की सभी मंडियों, शुभकर्मन ट्रस्ट, एम3एम फाउंडेशन सहित अन्य संस्थाओं ने राहत सामग्री दी है। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, भाजपा नेता राहुल राणा, जिप अध्यक्ष कंवलजीत कौर, नायब सिंह पटाक माजरा, अंतरराष्ट्रीय जाट महासभा के प्रधान कृष्ण श्योकंद, प्रधान गुरनाम सैनी, चेयरमैन जयसिंह पाल, रविंद्र सांगवान, प्रधान जितेंद्र खैरा, महीपाल ढांडा, सुशील राणा, नीरज गुलाटी, विक्की बजाज, आनंद बजाज, आशु बजाज, विकास शर्मा, जोगिंद्र, धर्मपाल मथाना, विवेक सिंगला, पवन मदान, अशोक गुप्ता, अजय सिंगला, रजवंत कौर, प्रदीप झांब, देवीलाल बारना, सुरेश गर्ग, सुरेश सैनी कूक्कू, हन्नू चक्रपाणी, हरमेश सिंह सैनी, गुरनाम मंगोली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने किया विभिन्न क्षेत्रों के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को फतेहाबाद जिले के बलियाला हेड, कूदनी हेड, चांदपुरा साइफ़न और आसपास के बारिश के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय नागरिकों व किसानों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करेगी। इसके लिए ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है। इस पर किसान अपनी खराब फसल का विवरण दे सकते हैं। इस पोर्टल पर प्रदेश में अब तक लगभग 1 लाख 70 हजार एकड़ में फसलों के नुकसान का पंजीकरण किया जा चुका है। शीघ्र ही किसानों को मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार मजबूती से आप लोगों के साथ खड़ी है और उन्हें उचित मुआवजा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के मकानों या छतों को नुकसान पहुँचा है, उनको राहत दी जाएगी। उपायुक्त को निर्देश दिए जा चुके हैं कि जिन घरों को नुकसान हुआ है उनकी सूची तैयार करें और उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर आवास योजना के तहत लगभग एक माह पहले ही 78.50 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। प्रभावित परिवार को आवेदन करने पर तुरंत राहत राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित घरों के लोगों को राहत दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद कर रही है। अब तक 80 से अधिक राहत सामग्री से भरे ट्रक भेजे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आज भी 25 ट्रकों को रवाना किया गया है, जिनमें से 10 ट्रक हिमाचल प्रदेश और 15 ट्रक पंजाब के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं और हरसंभव सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में पिछले साढ़े 10 वर्षों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए 2314 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत 416 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी प्रदेश सरकार ने हाल ही में 88.50 करोड़ रुपये किसानों की फसलों के नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए भी वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी वर्षा के कारण हरियाणा के निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी है। उन्होंने प्रभावित इलाकों का दौरा कर अधिकारियों को राहत और जलनिकासी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस समस्या का स्थायी समाधान तलाशने पर गंभीरता से विचार कर रही है ताकि भविष्य में लोगों को ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अधिकारी दिन-रात काम कर रहे हैं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मौके पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों, मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों का आभार जताया जो गांव-गांव जाकर जनता से मिल रहे हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

गरीबी के साए में पलकर भी प्रियंका ने रचा इतिहास, न्यूक्लियर साइंस में पीएचडी के लिए अमेरिका से मिला न्योता

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

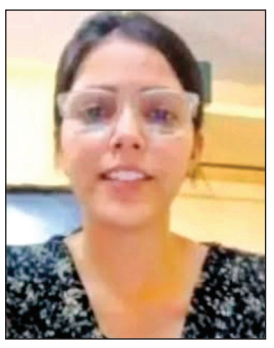

करनाल। हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि अगर कुछ करने का जुनून हो तो परिस्थितियां कोई मायने नहीं रखतीं। हरियाणा के करनाल जिले के कैहरबा गांव की प्रियंका ने इस बात को सच कर दिखाया है। उनके पिता परमजीत सिंह कपड़े की फेरी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, वहीं दादा भेड़-बकरियां पालने का काम करते हैं। इसके बावजूद प्रियंका ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत से एक ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिस पर पूरे देश को गर्व है।

आर्थिक तंगी के बावजूद नहीं मानी हार

अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए, प्रियंका ने सीमित संसाधनों के साथ पढ़ाई की, लेकिन कभी हार नहीं मानी। उन्होंने जैनपुर गांव के सरकारी स्कूल से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की और फिर वहीं के एक प्राइवेट स्कूल से 12वीं की परीक्षा पास की। इसके बाद उन्होंने करनाल के दयाल सिंह कॉलेज से बीएससी की और फिर एमएम यूनिवर्सिटी मुलाना से भौतिक विज्ञान में एमएससी की डिग्री हासिल की। एमएससी के बाद, प्रियंका ने सीएसआईआर की नेट परीक्षा की तैयारी शुरू की। अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने इस परीक्षा में भौतिक विज्ञान विषय में पूरे भारत में 93वीं रैंक हासिल की। इसी के साथ, उन्होंने कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं भी पास कीं, जैसे बीएड, सीटेट-1, सीटेट-2, रीट, पंजाब का पीटेट, बिहार का सीटेट और बिहार का एचटेट।

अमेरिका से आया बुलावा

प्रियंका की इसी सफलता ने उनके लिए अमेरिका के रास्ते खोल दिए। उन्होंने अमेरिका की टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी की परीक्षा भी पास कर ली, जिसके बाद उन्हें वहां से न्यूक्लियर साइंस में पीएचडी के लिए स्कॉलरशिप के साथ बुलावा आया। यह न सिर्फ प्रियंका के माता-पिता और दादा के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे कैहरबा गांव, हरियाणा और देश के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। प्रियंका ने यह साबित कर दिया है कि अगर कुछ करने की चाह हो तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती। उनकी कहानी उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो आर्थिक चुनौतियों के कारण अपने सपनों को पूरा करने से पीछे हट जाते हैं।

कुमारी शैलजा का शक्ति प्रदर्शन, हुड्डा खेमे में सेंधमारी, करनाल के हुड्डा समर्थक नेताओं ने थामा शैलजा का हाथ

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

करनाल। हरियाणा कांग्रेस की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थक माने जाने वाले कई प्रमुख नेता आज करनाल में आयोजित कुमारी शैलजा के स्वागत समारोह में शामिल हुए। इस घटनाक्रम को हुड्डा के लिए एक बड़ा झटका और कांग्रेस के भीतर शक्ति संतुलन में बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

हुड्डा के समर्थक क्यों बदल रहे हैं पाला?

कुलदीप शर्मा, राकेश कम्बोज, सुमिता सिंह, ललित बुटाना, रघुबीर संधु और जयपाल मान जैसे नेता, जो अब तक हुड्डा के करीबी माने जाते थे, आज शैलजा के मंच पर दिखे। इस बदलाव के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं:-

कुलदीप शर्मा की नाराजगी: कुलदीप शर्मा लंबे समय से हुड्डा से नाराज चल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में अपने बेटे के लिए करनाल से टिकट न मिलने और इसके बजाय दीपांशु बुद्धिराजा को मौका दिए जाने से उनकी नाराजगी बढ़ गई थी। इसके अलावा, गन्नौर विधानसभा चुनाव में मिली हार के लिए भी वह हुड्डा को जिम्मेदार मानते हैं।

भविष्य की चिंता: हुड्डा की बढ़ती उम्र (77 वर्ष) भी एक बड़ा कारण है। अगले विधानसभा चुनाव तक उनकी उम्र 81 वर्ष हो जाएगी, जिससे उनके मुख्यमंत्री बनने की संभावना कम हो रही है। उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा को भी अभी तक प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया गया है, जिससे हुड्डा समर्थकों को यह लगने लगा है कि हुड्डा खेमे से अब उन्हें कुछ खास हासिल नहीं होगा।

सत्ता में बदलाव की उम्मीद: नेताओं को यह आभास हो रहा है कि कांग्रेस में नेतृत्व का बदलाव हो सकता है। उन्हें लगता है कि नेता प्रतिपक्ष या प्रदेश अध्यक्ष का पद जिस खेमे को मिलेगा, उसी का भविष्य में वर्चस्व रहेगा। इसी वजह से कई नेता अब उस खेमे से जुड़ रहे हैं, जिसकी कमान शैलजा के पास है।

कांग्रेस की राजनीति में बदलाव के संकेत

यह घटना कांग्रेस की गुटबाजी को और भी स्पष्ट करती है। अगर हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया जाता है, तो उनके और भी समर्थक विधायक पाला बदलकर उस खेमे में जा सकते हैं, जिसे ये दोनों महत्वपूर्ण पद मिलते हैं।

यह स्थिति कांग्रेस के लिए आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

संपादकीय.....

प्राकृतिक आपदाएँ, गुनाहगार कौन?

हाल ही में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ की कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया है। नदियों के किनारे बने आलीशान होटल, अनियोजित पुल और रास्तों पर हुए अवैध अतिक्रमण एक-एक कर ताश के पत्तों की तरह ढह गए। इस आपदा ने न सिर्फ़ जान-माल का भारी नुकसान किया है, बल्कि हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इन आपदाओं के लिए सिर्फ़ प्रकृति ही ज़िम्मेदार है, या हम खुद इसके सबसे बड़े गुनाहगार हैं?

हमारी नदियों का अपना एक स्वभाव होता है, उनका एक निश्चित बहाव क्षेत्र होता है, जिसे 'फ्लडप्लेन' कहा जाता है। सदियों से ये नदियां अपने किनारों को सींचती रही हैं और बाढ़ के दौरान इन क्षेत्रों में फैलकर अपना रास्ता बनाती रही हैं। लेकिन, विकास और शहरीकरण की अंधी दौड़ में हमने इन प्राकृतिक रास्तों को बंद कर दिया। नदियों के किनारों पर अवैध निर्माण, होटल, और आवासीय कॉलोनियां बना दी गई। हमने नदियों को उनके मूल स्वरूप से इतना दूर कर दिया कि जब उन्होंने अपना रास्ता फिर से पाने की कोशिश की, तो सब कुछ तबाह हो गया।

पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण बिना पर्यावरण के नियमों का पालन किए हो रहा है। पहाड़ों को काटकर बनाई गई सड़कें भूस्खलन का कारण बनती हैं, और नदियों पर बने कमज़ोर पुल पानी के तेज़ बहाव को झेल नहीं पाते। इस बाढ़ ने यह साफ़ कर दिया कि हम अपने तात्कालिक लाभ के लिए प्रकृति के साथ जो समझौता कर रहे हैं, उसकी कीमत हमें और हमारी आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। यह सिर्फ़ एक आपदा नहीं, बल्कि हमारी लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी का नतीजा है।

यह समस्या केवल सरकार या प्रशासन की नहीं है। हम सब इसके लिए समान रूप से ज़िम्मेदार हैं। जब हम नदियों के किनारे प्लॉट खरीदते हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा देते हैं, या प्रदूषण फैलाते हैं, तो हम अनजाने में इस विनाश का हिस्सा बन जाते हैं। यह हमारी सामूहिक सोच का परिणाम है, जहां हम प्रकृति को सिर्फ़ एक संसाधन मानते हैं, न कि जीवन का आधार।

अब समय है जागने का

इन आपदाओं से सबक लेना ज़रूरी है। हमें समझना होगा कि प्रकृति का सम्मान किए बिना कोई भी विकास स्थायी नहीं हो सकता। सरकार को कड़े नियम बनाने होंगे और उन्हें सख्ती से लागू करना होगा। नदियों के बहाव क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त कराना होगा और पर्यावरण-अनुकूल विकास को बढ़ावा देना होगा। लेकिन सबसे ज़रूरी है कि हम अपनी सोच बदलें।

हमें यह समझना होगा कि हम प्रकृति से बड़े नहीं हैं। जब तक हम यह स्वीकार नहीं करेंगे कि हमारे स्वार्थ ने ही इन आपदाओं को जन्म दिया है, तब तक हम 'गुनाहगार' बने रहेंगे। यह सिर्फ़ एक चेतावनी है; अगर हम नहीं चेते, तो भविष्य में और भी बड़ी तबाही हमारा इंतज़ार कर रही है।

क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से किसानों को दिया जाएगा मुआवजा : नवीन जिंदल

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। मारकंडा का जल स्तर बढ़ने से किसानों की फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसके लिए ई-क्षति पूर्ति पोर्टल खोला गया है। किसान अपनी खराब हुई फसल का पंजीकरण करवाएं, ताकि जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। केंद्र व राज्य सरकार बाढ़ से प्रभावित हुए क्षेत्रों की पूरी निगरानी कर रही है और हर संभव मदद कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है। प्रत्येक नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। इसको लेकर अलग अलग कटेगरी बनाई गई है।

सांसद नवीन जिंदल शुक्रवार को गांव जलबेहड़ा, नैसी व ठसका मीरांजी क्षेत्र में मारकंडा में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। उन्होंने जलबेहड़ा हैड पर किसानों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के बैठक करके भविष्य के लिए मारकंडा नदी में जल भराव से होने वाले नुकसान को रोकने पर भीमंथन किया। एक्सईएन मनीष बब्बर व जेई नवीन ने मैप के माध्यम से सांसद को पूरे क्षेत्र का मारकंडा का विवरण दिया। किसानों से बातचीत करने के बाद सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि मारकंडा के तटबंधों को मजबूत किया जाएगा। साथ ही जहां इसकी चौड़ाई कम है। वहां शीट पाइल रिटेनिंग वॉल लगाने की योजना भी अधिकारी तैयार करें ताकि मिट्टी के कटाव को रोका जा सके। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। किसानों ने बताया कि कई हजार हजार एकड़ फसल में जलभराव हुआ था। जिससे फसलें अब पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि किसानों के साथ बैठक करके समस्या का स्थाई समाधान करने का अध्यन करें और मास्टर प्लान तैयार करें, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति इस क्षेत्र में उत्पन्न ना हो। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश व प्रदेश को विकसित राष्ट्र और विकसित राज्य बनाने की दिशा में बेहत्तरीन कार्य कर रहे हैं। हर वर्ग के कल्याण हेतू नित नई-नई योजनाओं को क्रियान्वयन कर रहे हैं। बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थिति के बाद पैदा हुए हालात से निपटने के लिए भी हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बारिश के बाद सड़कों का निर्माण शुरू करवाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस संदर्भ में पूरी तरह से गंभीर है, प्रदेश की हर सड़कें चकाचक होंगी। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। खेलों में भाग लेने से युवाओं का ध्यान नशे की तरफ नहीं जाएगा और हम भारत के मजबूत नागरिक होंगे। जिम का सामान दिया गया है। स्टेडियमों की सुविधाओं में सुधार लाया जा रहा है।

राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए जल्द भर्ती किए जाएंगे करीब 500 डॉक्टर: आरती राव

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ. जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री सिंह आरती राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार की तरफ से जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इन चिकित्सकों की भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और सरकार से अनुमति मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव शुक्रवार को एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एलएनजेपी अस्पताल की फॉरमेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फॉरमेसी में सभी दवाईयां पर्याप्त मात्रा में मिली। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। यहां पर सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाईयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से फीडबैक भी दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में पूरा करने के निर्देश दिए है ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को भी परेशानी का सामना ना करना पडे। इस अस्पताल की फॉरमेसी का निरीक्षण किया और यहां पर मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध थी। इस अस्पताल में स्वच्छता को लेकर काफी कमियां पाई गई है और अस्पताल को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इस अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए है और सभी शौचालयों को बेहतर करने के आदेश दिए गए है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण हरियाणा प्रदेश के कई जिले प्रभावित हुए है, ऐसे समय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे है और निशुल्क दवाईयां वितरित कर रहे है।

सीपी राधाकृष्णन बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

गजब हरियाणा न्यूज

दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

यह जानकारी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश में दी गई। बता दें सीपी राधाकृष्णन को 9 सितंबर को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुना गया। उन्होंने 'इंडिया' ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर यह पद हासिल किया। चुनाव में उन्हें कुल 452 वोट मिले थे। राधाकृष्णन ने जुलाई 2024 में ही महाराष्ट्र के राज्यपाल के तौर पर रमेश बैस की जगह ली थी। उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उन्हें 15वें उप राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनके दशकों का अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। समारोह में मौजूद मुख्यरूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, श्री सी.पी. राधाकृष्णन के पूर्ववर्ती जगदीप धनखड़, तथा अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे.पी. नड्डा, पीयूष गोयल और नितिन गडकरी सहित केंद्रीय मंत्री, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव,मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शामिल हुए।

आचार्य देवव्रत बने महाराष्ट्र के राज्यपाल

अब महाराष्ट्र के राज्यपाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालने वाले आचार्य देवव्रत जुलाई 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, वह अगस्त 2015 से जुलाई 2019 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके हैं।

कनाडा में वर्क वीज़ा पर संकट, विदेशी वर्कर्स के खिलाफ अभियान तेज़, बेरोजगारी और आवास की कमी बनी वजह

एजेंसी

कनाडा। कनाडा में विदेशी कामगारों के लिए वर्क वीज़ा कार्यक्रम को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के प्रीमियर डेविड एबी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि टेंपरेरी फॉरेन वर्कर प्रोग्राम को या तो पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए या इसमें बड़े सुधार किए जाएँ। उनका कहना है कि विदेशी कामगारों की बढ़ती संख्या से कनाडा के सामाजिक ढांचे पर भारी दबाव पड़ रहा है, जिससे युवाओं में बेरोजगारी बढ़ रही है और आवास की समस्या गंभीर होती जा रही है।

डेविड एबी का यह बयान तब आया है जब देश में आप्रवासन नीतियों को लेकर व्यापक चर्चा चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया, ÷हम ऐसी आप्रवासन प्रणाली नहीं अपना सकते जो स्कूलों और आवासों के निर्माण की हमारी क्षमता से कहीं अधिक हो जाए। हम ऐसी प्रणाली को स्वीकार नहीं कर सकते, जिसकी वजह से बेरोजगारी दर बढ़े।

उन्होंने इस समस्या को अंतरराष्ट्रीय छात्रों से भी जोड़ा और कहा कि युवाओं में बेरोजगारी की बढ़ती दर और फूड बैंकों में बढ़ती भीड़ इस बात का प्रमाण है कि मौजूदा आप्रवासन नीति सही दिशा में नहीं है।

एबी ने यह भी आरोप लगाया कि सरे जैसे क्षेत्रों में धोखाधड़ी और स्व्व्ह्र (लेबर मार्केट इम्पैक्ट असेसमेंट) सर्टिफिकेट की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है, लेकिन इस पर कोई पुलिस कार्रवाई नहीं हो रही है। कनाडा में विदेशी कामगारों को नौकरी देने के लिए कंपनियों को स्व्व्ह्र सर्टिफिकेट हासिल करना होता है, जो इस बात की गारंटी देता है कि विदेशी कामगारों को काम पर रखने से स्थानीय लोगों की नौकरियों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इस बयान से साफ है कि कनाडा में विदेशी कामगारों के खिलाफ भाव तेज़ी से बदल रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार इस दबाव के सामने क्या कदम उठाती है और इसका कनाडा की अर्थव्यवस्था और आप्रवासन नीतियों पर क्या असर पड़ता है।

समाचार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिपली मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह के ताऊ हरजिंद्र सिंह के निधन पर जताया गहरा शोक

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

लाडवा/कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिपली मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह के ताऊ हरजिंद्र सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परिवार के सदस्यों बेटे इंद्रजीत, भाई तीर्थ सिंह, परमजीत सिंह, अवतार सिंह व बलजीत सिंह के साथ दुख साझा करते हुए कहा कि दिवंगत व्यक्ति का निधन परिवार ही नहीं बल्कि समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है और इसे बुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की है। शोक सभा में पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कुरुक्षेत्र में बेखौफ हो रहे हैं अपराधी, नकेल कसनी जरूरी : अशोक अरोड़ा

गजब हरियाणा न्यूज /डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा है कि आज कुरुक्षेत्र में अपराधी बेखौफ हो रहे हैं। पिछले पांच दिनों के अंतराल में तीन बड़ी अपराधिक घटना घटित हुई है। पहले अनाज मंडी में गोली चली, गत दिवस डिवाईन सैंटर पर अमित अरोड़ा एडवोकेट पर हमला किया गया और आज चेतन्या आईलेट्स सैंटर पर गोलियों की बौछार अपराधी कर के भाग गए। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यहां कानून नाम की कोई चीज नही है। अपराधी बेखौफ घुम रहे हैं। वे चेतन्य आईलेट्स सैंटर पर गोलियां चलने के बाद सैंटर पर पहुंचे व संचालकों से बातचीत कर पूरी जानकारी ली। इस दौरान बढते अपराध के चलते अशोक अरोड़ा ने आईजी सीआईडी से फोन पर बात की व मामले को सुलझाने के लिए कहा। वहीं इससे पूर्व अशोक अरोड़ा ने कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल से मुलाकात की। पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि पहले दूसरे प्रदेशों व जिलों के लोग कुरुक्षेत्र में आकर बसना पसंद करते थे क्योंकि यह पूरी तरह से शांत क्षेत्र था। लेकिन अब लगातार हो रही इस प्रकार की अपराधिक घटनाओं के बाद कुरुक्षेत्र के लोगों में भय पैदा हो गया है। लोगों में डर पैदा हो रहा है लेकिन सरकार कुछ भी करने में नाकाम साबित हो रही है। अरोड़ा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र जिला से विधायक हैं लेकिन बावजूद इसके ऐसी घटनाओं का होना मुख्यमंत्री पर प्रश्न चिह्न खड़े कर रहा है। यूं तो मुख्यमंत्री कहते थे कि अपराधी प्रदेश छोड़ दें लेकिन अपराध पहले से कई गुणा ज्यादा बढ गया है। मुख्यमंत्री को चाहिए इस मामले में सख्ती दिखानी चाहिए विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि सत्ता के नशे में अपराधियों को शरण व शह दी जा रही है। वे लोग सोचते हैं कि इनका कुछ बिगडने वाला नही है। जो लोग इस प्रकार कर रहे हैं, ऐसे लोगों को राजनीति छोड़ कर कुरुक्षेत्र में शांति बनाए रखने के बारे में सोचना चाहिए। अरोड़ा ने कहा कि उन्होने अधिकारियों से बात की है जो अपराध कर रहे हैं, इनके पीछे कौन लोग हैं, उनको पकड़ा जाए। यदि ये लोग इस प्रकार के कार्य करते रहेंगें तो ये हरियाणा प्रदेश व कुरुक्षेत्र में कोई रहना पसंद नही करेगा। आज प्रदेश का व्यापारी व लोग भय के माहौल में हैं। अरोड़ा ने कहा कि इस मामले में पुलिस को इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए व ऐसे अपराधियों को पकडना चाहिए।

कुरुक्षेत्र के उमरी स्कूल में छात्रों के लिए अंग्रेजी कार्यशाला का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उमरी में शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. रणजीत सिंह फुलिया द्वारा एक दिवसीय अंग्रेजी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सातवीं और आठवीं कक्षा के छात्रों में अंग्रेजी भाषा और व्याकरण की समझ को मजबूत करना था। डॉ. फुलिया ने छात्रों को अंग्रेजी व्याकरण के सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी तत्वों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विशेष रूप से थ्री पर्सन्स के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि उनकी सही समझ के बिना छात्र व्याकरण के कई नियमों में कमजोर रह जाते हैं। छात्रों ने न केवल इन नियमों को समझा, बल्कि उनका उपयोग करते हुए कई वाक्य भी बनाए। उन्होंने बोर्ड पर लिखकर सही उच्चारण का अभ्यास किया, जिसे सभी छात्रों ने सफलतापूर्वक दोहराया। व्याकरण के अलावा, डॉ. फुलिया ने छात्रों में संप्रेषण कला विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने छात्रों को अंग्रेजी में अपना परिचय देने और अन्य बातचीत के अभ्यास करवाए, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान, छात्रों को भारत की प्रशासनिक प्रणाली और हरियाणा को जानो जैसे विषयों पर प्रतियोगिताएं भी आयोजित करवाई गईं, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रेरक पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुषमा शर्मा ने डॉ. फुलिया के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे पिछले कई वर्षों से उमरी स्कूल के छात्रों का नि:स्वार्थ मार्गदर्शन कर रहे हैं। डॉ. फुलिया, जो हरियाणा और आस-पास के आठ राज्यों के 1000 से अधिक स्कूलों में मुफ्त में मार्गदर्शन देते हैं, उनकी प्रेरणा से इस विद्यालय के कई छात्र संप्रेषण कला में निपुण बने हैं। कार्यक्रम का सफल समन्वय श्रीमती उषा और हैप्पी ने किया। यह प्रशिक्षण सत्र छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुआ और उनमें अंग्रेजी सीखने के प्रति एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

श्री गुरु रविदास भवन का 27वां स्थापना दिवस, संतों ने दिया सत्संग और सामाजिक जागरूकता का संदेश

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

मोहाली। श्री गुरु रविदास नौजवान सभा (रजि.) द्वारा मोहाली के फेज-7, सेक्टर-61 स्थित श्री गुरु रविदास भवन में 27वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर एक विशाल संत समागम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन नौजवान सभा के प्रधान तरसेम लाल बडला ने किया।

सत्संग की महिमा और सच्ची भक्ति का महत्व

संत समागम में कई पूज्य संतों ने अपने वचनों से श्रद्धालुओं को निहाल किया। इनमें डेरा स्वामी जगतगिरी आश्रम, पठानकोट के गद्दीनशीन श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी जी और डेरा संत बाबा प्रीतम दास जी, बाबा जोड़े रॉयपुर, रसूलपुर जिला जालंधर के प्रधान श्री 108 संत बाबा निर्मल दास जी प्रमुख थे। उनके साथ संत परमजीत दास जी, संत देशराज जी और संत धर्मपाल जी सहित अन्य संतों ने भी अपने विचार साझा किए।

सत्संग से जुड़कर हर कोई पा सकता है चंदन जैसी सुगंध : स्वामी गुरदीप गिरी जी

स्वामी गुरदीप गिरी जी ने सत्संग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह मनुष्य के जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। उन्होंने गुरु रविदास जी के एक शब्द का उदाहरण दिया- 'तुम चंदन हम ईरंड बापुरे, संग तुम्हारे वासा। नीच रुख ये ऊंच भए है गंध सुगंध निवासा।' इस शब्द का अर्थ समझाते हुए उन्होंने बताया कि जिस तरह चंदन के पेड़ के पास रहने से मामूली ईरंड के पौधे में भी सुगंध आ जाती है, उसी तरह सत्संग से जुड़कर साधारण व्यक्ति भी अपने जीवन को आध्यात्मिकता और अच्छे कर्मों से महका सकता है।

सत्संग से संवरते हैं भक्तों के काज: संत निर्मल दास जी

संत निर्मल दास जी ने सच्ची भक्ति की शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परमात्मा उन्हीं के कार्य सिद्ध करता है जो सच्ची भक्ति में लीन होते हैं। संत नामदेव जी का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे उनकी अटूट भक्ति के कारण स्वयं परमात्मा ने उनके सभी संकटों को दूर किया। उन्होंने श्री गुरु रविदास नौजवान सभा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम से ही आज इस पावन भवन का 27वां स्थापना दिवस मनाना संभव हो पाया है।

एडवोकेट संतोष कुमारी ने किया संविधान और समाज को बचाने का आह्वान- इस अवसर पर, एडवोकेट संतोष कुमारी ने सामाजिक और राजनीतिक चेतना का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज जी के समय में भी उनके नाम सिमरन और सत्संग करने पर रोक लगाई जाती थी, और आज भी ऐसा होने का खतरा है। उन्होंने कहा, हम इस देश के मूल निवासी हैं और हमें अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। संविधान ही हमारी ढाल है, और यदि यह समाप्त हो गया तो सब कुछ छिन जाएगा। एडवोकेट कुमारी ने समाज से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें, एकजुट हों और पाखंड व अंधविश्वास से दूर रहें। उन्होंने कहा, 'हमें अपने महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर अपने देश को 'बेगमपुरा' (चिंता और दुखों से रहित शहर) बनाना है। उन्होंने सभी से महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने और अपने राजनैतिक व सामाजिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा को सम्मानित करते संत निर्मल दास जी और सभा के पदाधिकारी।

आयोजन समिति ने संतों और समाजसेवियों का किया सम्मान

कार्यक्रम के अंत में, श्री गुरु रविदास नौजवान सभा के पदाधिकारियों ने समागम में पधारे सभी संतों और समाजसेवियों को सिरोपे भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में महासचिव डी.आर. पाल, उप प्रधान बी.डी. स्वान, सह सचिव परमजीत सिंह भटवा, फाइनेंस सचिव सोनी राम, कानूनी सलाहकार आर.ए. सुमन, सह फाइनेंस सचिव चानन राम, संगठन सचिव नरंजन लाल माही, ऑडिटर हरबिलास चंद रोमले, प्रचार सचिव गुरजिंदर सिंह, स्टोर इंचार्ज अमरजीत सिंह, असिस्टेंट स्टोर इंचार्ज अजीत सिंह, और लाइब्रेरी इंचार्ज एन.एल. सुमन, गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, शेर सिंह रविदासिया अम्बाला, स्वामी चरण पंचकूला सहित सभी सदस्यों ने भाग लिया।

अमृतबाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

कह रविदास तेरी भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक हवै चुनि खावै।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : इस श्लोक में सतगुरु रविदास महाराज जी ने कहा कि ईश्वर की भक्ति बड़े भाग्य से मिलती है। जो व्यक्ति अपने अहंकार को त्याग देता है और विनम्र हो जाता है, वही भक्ति को प्राप्त कर सकता है। ठीक उसी तरह जैसे एक चींटी शक्कर के दानों को चुन लेती है, जबकि एक बड़ा हाथी ऐसा नहीं कर पाता।

धन गुरुदेव जी

अपने दुखों की वजह आप खुद न बनें

एक बार की बात है गौतम बुद्ध नगर में घूम रहे थे। उन्होंने वहां सुना कि नगरवासी बुद्ध के बारे में बुरा भला बोल रहे और गंदी गंदी बातें कर रहे हैं। ऐसा इसलिए क्यों कि गौतम बुद्ध से नफरत करने वालों ने नगरवासियों के मन में ये बैठा दिया था कि बुद्ध एक ढोंगी है और धर्म को भ्रष्ट कर रहा है। इस वजह से वहां के लोग उन्हें अपना दुश्मन मानने लगे थे।

अपने खिलाफ गलत बात सुनने के बाद गौतम बुद्ध वहां शांति से खड़े हो गए और लोगों की बुराईयों को ध्यान से सुनने लगें। लेकिन बुद्ध ने किसी से कुछ नहीं कहा। जब नगरवासी चुप हो गए तब गौतम बुद्ध ने उन नगरवासियों से कहा, क्षमा चाहता हूं लेकिन अगर आप लोगों की बातें खत्म हो गई हैं तो मैं यहां से जाऊं? ये सुनकर नगरवासी आश्चर्यचकित हुए। बुद्ध पर कोई असर नहीं होता देख एक व्यक्ति ने बोला, 'हम तुमको उलाहने दे रहे हैं और तुम पर इन बातों का कोई असर नहीं हो रहा? उस व्यक्ति के सवालों का जवाब देते हुए गौतम बुद्ध ने कहा आप सब चाहें मुझे कितनी भी गालियां दें या कितना भी बुरा कहें, मैं इनहें खुद पर नहीं लूंगा क्योंकि मैं जानता हूं कि मैं कुछ गलत नहीं कर रहा इसलिए इन बातों को जब तक मैं स्वीकार नहीं करता, तब तक इनका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।

अपनी रसोई

चावल को कीड़ों से बचाएं, 100% कारगर और प्राकृतिक उपाय

भारतीय रसोई में चावल का विशेष महत्व है, लेकिन इसे सही तरीके से स्टोर न करने पर इसमें कीड़े और घुन लगने की समस्या आम है। बाजार में मिलने वाले केमिकल वाले उत्पाद सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं, इसलिए आज हम आपके लिए लाए हैं एक ऐसा आसान और प्राकृतिक नुस्खा जो आपके चावल को लंबे समय तक सुरक्षित रखेगा।

क्यों लगते हैं चावल में कीड़े?

चावल में कीड़े लगने का मुख्य कारण नमी और खराब भंडारण है। नमी कीड़ों और घुन को पनपने के लिए अनुकूल वातावरण देती है। यदि चावल को ठीक से साफ करके एयरटाइट कंटेनर में न रखा जाए, तो कीड़े तेजी से बढ़ सकते हैं और पूरे स्टॉक को खराब कर सकते हैं।

जादुई पोटली : सामग्री और बनाने का तरीका

इस नुस्खे के लिए आपको कुछ ऐसी चीजें चाहिए जो आपकी रसोई में आसानी से उपलब्ध हैं:

-आधा चम्मच हल्दी
-आधा चम्मच नमक
-10-12 खड़ी लौंग
-10-12 काली मिर्च
-एक छोटा टिश्यू पेपर या कपड़ा
- धागा या रबर बैंड

बनाने का तरीका:

•सबसे पहले, चावल को अच्छी तरह साफ करके एक सूखे और एयरटाइट कंटेनर में भरें। •अब टिश्यू पेपर या कपड़े में हल्दी और नमक डालें। •इसके ऊपर लौंग और काली मिर्च रखें। •इस कपड़े को एक छोटी पोटली की तरह बांध लें और धागे या रबर बैंड से कस दें। • इस पोटली को चावल के कंटेनर में नीचे या बीच में दबाकर रख दें। •कंटेनर का ढक्कन अच्छी तरह बंद कर दें। • इस नुस्खे के पीछे का विज्ञान।

यह नुस्खा सिर्फ एक टोटका नहीं, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण छिपा है:

लौंग और काली मिर्च: इनकी तीखी गंध और स्वाद कीड़ों को पसंद नहीं आता, जिससे वे चावल से दूर भागते हैं। **-हल्दी:** इसमें मौजूद करक्यूमिन नामक कंपाउंड में एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो चावल को खराब होने से बचाते हैं।

नमक: यह नमी को सोख लेता है, जिससे कीड़े लगने की संभावना कम हो जाती है।

यह आसान और सस्ता घरेलू उपाय आपके चावल को लंबे समय तक कीड़ों से सुरक्षित रखने का एक सुरक्षित और कारगर तरीका है, जो आपके परिवार को केमिकल वाले उत्पादों से भी बचाता है।

मति एक बड़ी पारिभाषिक धारणा है। तुमने सुनी कहावत कि जब परमात्मा किसी को मिटाना चाहता तो उसकी मति भ्रष्ट कर देता।

मति क्या है?

तुम्हारे सोचने पर निर्भर नहीं है मति। तुम तो सोच-सोच कर जो भी करोगे वह मन का ही खेल होगा। मति है मन के पार जो समझ है, उसका नाम मति है। मन के पार जो समझ है, सोच-विचार से ऊपर जो समझ है, शुद्ध समझ, जिसको अंग्रेजी में अंडरस्टेंडिंग कहें, थिंकिंग नहीं, विचारणा नहीं, अंडरस्टेंडिंग, प्रज्ञा जिसको बुद्ध ने कहा है-मति।

जो ऐसी मति में थिर हो गया है-मैं अगर अनुवाद करूं तो ऐसा करूंगा-जो ऐसी मति को उपलब्ध हो गया है, मत्वेति, कि अब न तो इच्छा उठती, न ग्रहण उठता, न त्याग का भाव उठता। जो ऐसी मति को उपलब्ध हो गया है, जहां मन नहीं उठता। जिसको झेन फकीर नो -माइंड कहते हैं, वही मति। यह तुम्हारे सोच-विचार का सवाल नहीं है। जब तुम्हारा सब सोच-विचार खो जाएगा, तब तुम उस घड़ी में आओगे, जिसको मति कहें।

मति तुम्हारी और मेरी नहीं होती। मति तो एक ही है। मेरे विचार मेरे, तुम्हारे विचार तुम्हारे हैं। जब तुम्हारे विचार खो गए, मेरे विचार खो गए, मैं निर्विचार हुआ, तुम निर्विचार हुए-तो मुझमें तुममें कोई भेद न रहा। और जो उस घड़ी में घटेगा-वह मति। वह मति न तो तुम्हारी न मेरी। विचार तो सदा मेरे-तेरे होते हैं। और अष्टावक्र तो कहते हैं, जब मैऐ हूं तब बंध है। और विचार के साथ तो मैं जुड़ा ही रहता है। इसलिए तो लोग बड़े लड़ते हैं। कहते हैं, मेरा विचार। इसकी भी फिक्र नहीं करते कि सत्य क्या है?

मेरा विचार सत्य होना ही चाहिए, क्योंकि मेरा है। दुनिया में जो विवाद चलते हैं, वह कोई सत्य के अनुसंधान के लिए थोड़े ही हैं। सत्य के अनुसंधान के लिए विवाद की जरूरत ही नहीं है। विवाद चलते हैं कि जो मैं कहता हूं वही सत्य; जो तुम कहते हो वही गलत। तुम कहते हो, इसलिए वह गलत। और मैं कहता हूं इसलिए यह सही। और कोई आधार नहीं है। मैंने कहा है, तो गलत हो कैसे सकता है!

तो विचार में तो मैं -तू है। मति में मैं -तू नहीं है। या ऐसा होगा कहना ज्यादा ठीक कि विचार हमारे-तुम्हारे होते, विचार मनुष्यों के होते, मति परमात्मा की। मति वहां है जहां हम खो गए होते हैं।

-ऐसी मति में हों हम, कि न तो इच्छा करके ग्रहण करें, न इच्छा करके त्याग करें।

इसको भी समझ लेना। जरा भी इच्छा न हो। जो हो, उसे होने दें। अगर किसी क्षण दुख हो, तो उसे होने दें, इच्छा करके हम दुख को न हटाए। और किसी क्षण सुख हो, तो उसे होने दें; इच्छा करके हम सुख को न हटाए। हम इच्छा करके हटाने का काम ही बंद कर दें। हम तो यही कह दें जो हो तेरी मर्जी। जैसी तेरी मर्जी वैसे रहेंगे। जो अनंत की मर्जी, वही मेरी मर्जी। मैं अपने

को अलग- थलग न रखूंगा। मेरा अपना कोई निजी लक्ष्य नहीं अब। जो सर्व का लक्ष्य है, वही मेरा लक्ष्य है।

ऐसी घड़ी में, ऐसी मति में, ऐसी प्रज्ञा में, ऐसे बोधोदय में, कहां दुख? कहां सुख? कहां बंधन?

कहां मुक्ति?

सब द्वंद्व खो जाते हैं। सब द्वैत सो जाते हैं। एक ही बचता है अहर्निश। एक ही गूंजता है, एक ही गाता, एक ही जीता, एक ही नाचता है। ऐसी घड़ी में तुम सर्व के अंग हो जाते, सर्व के साथ प्रफुल्लित, सर्व के साथ खिले हुए। तुम्हारा सब संघर्ष समाप्त हो जाता है। तुम सर्व के साथ लयबद्ध हो जाते; छंदोबद्ध हो जाते।

सर्व के साथ जो छंदबद्ध हो गया है, उसी को मैं संन्यासी कहता हूं। जो हो-अच्छा हो, बुरा हो-अब कोई चिंता न रही। जैसा हो, हो; अब मेरी कोई अपेक्षा न रही। अब जो होगा वह मुझे

स्वीकार है। नर्क तो नर्क और स्वर्ग तो स्वर्ग। ऐसी परम स्वीकृति का नाम संन्यास है।

ये संन्यास के महत सूत्र हैं। इन्हें तुम समझना, सोच-विचार कर नहीं, ध्यान कर-कर के, ताकि इनसे मति का जन्म हो जाए।

यदा नाहं तदा मोक्षो यदाहं बंधन तदा।
मत्वेति हेलया किंचित् मा गृहाण विमुज्च मा।।

और इस जीवन के लिए, इस जीवन की परम क्रांति के लिए तुम्हीं प्रयोग-स्थल हो, तुम ही परीक्षा हो। तुम्हीं को अपनी परीक्षा लेनी है। तुम्हीं को जनक बनना है और तुम्हीं को अष्टावक्र भी। यह संवाद तुम्हारे भीतर ही घटित होना है।

जीवन की आत्यंतिक रहस्यमयता तो उसी के सामने प्रगट होती है, जो अपने को ही अपना परीक्षा-स्थल बना लेता, जो अपने को ही अपनी प्रयोग- भूमि बना लेता।

इसलिए कहता हूं. सोच-विचार से नहीं, प्रयोग से, ध्यान से मति उपलब्ध होगी। और तुमने सदा सुन रखा है. स्वर्ग कहीं ऊपर, नर्क कहीं नीचे। उस भ्रांत धारणा को छोड़ दो। स्वर्ग तुम्हारे भीतर, नर्क तुम्हारे भीतर। स्वर्ग तुम्हारे होने का एक ढंग और नर्क तुम्हारे होने का एक ढंग। मैं से भरे हुए तो नर्क, मैं से मुक्त तो स्वर्ग।

संसार बंधन, और मोक्ष कहीं दूर सिद्ध-शिलाएं हैं जहां मुक्त पुरुष बैठे हैं-ऐसी भ्रांतियां छोड़ दो। अगर मन में चाह है, चाहत है, तो संसार। अगर मन में कोई चाहत नहीं, छोड़ने तक की चाह नहीं, त्याग तक की चाह नहीं, कोई चाह नहीं-ऐसी अचाह की अवस्था मोक्ष।

बाहर मत खोजना स्वर्ग-नरक, संसार-मोक्ष को। ये तुम्हारे होने के ढंग हैं। स्वस्थ होना मोक्ष है, अस्वस्थ होना संसार है। इसलिए? बाहर छोड़ने को भी कुछ नहीं है, भागने को भी कुछ नहीं है। हिमालय पर भी बैठो तो तुम तुम ही रहोगे और बाजार में भी बैठो तो तुम तुम ही रहोगे। इसलिए मैंने तुमसे नहीं कहा है, मेरे संन्यासियों को मैंने नहीं कहा है, तुम कुछ भी छोड़ कर कहीं जाओ। मैंने उनको सिर्फ इतना ही कहा, तुम जाग कर देखते रहो, जो घटता है घटने दो। गृहस्थी है तो गृहस्थी सही।

और किसी दिन अगर तुम अचानक अपने को हिमालय पर बैठा हुआ पाओ तो वह भी ठीक, जाते हुए पाओ तो वह भी ठीक है।

जो घटे, उसे घटने देना; इच्छापूर्वक अन्यथा मत चाहना। अन्यथा की चाह से मैं संगठित होता है। तुम अपनी कोई चाह न रखो, सर्व की चाह के साथ बहे चले जाओ। यह गंगा जहां जाती है, वहीं चल पड़ो। तुम पतवारें मत उठाना। तुम तो पाल खोल दो, चलने दो हवाओं को, ले चलने दो इस नदी की धार को।

इस समर्पण को मैंने संन्यास कहा है। इस समर्पण में तुम बचते ही नहीं, सिर्फ परमात्मा बचता है। किसी न किसी दिन वह घड़ी आएगी, वह मति आएगी कि हटेंगे बादल, खुला आकाश प्रगट होगा।

तब तुम हंसोगे, तब तुम जानोगे कि अष्टावक्र क्या कह रहे है-न कुछ छोड़ने को, न कुछ पकड़ने को। जो भी दिखाई पड़ रहा है, स्वप्नवत है; जो देख रहा है, वही सत्य है।

आचार्य श्री रजनीश,ओशो
अष्टावक्र महागीता--प्रवचन--25

जीवन और मृत्यु का गूढ़ रहस्य, स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज का आध्यात्मिक संदेश

जन्म के बाद मृत्यु भी अटल सत्य: महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

नारायणगढ़ । नारायणगढ़ के अंबेडकर भवन में आयोजित एक शोक सभा में, संत शिरोमणि, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने जीवन और मृत्यु के गहन आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डाला। यह सभा भाई ललित किशोर (रिंकू) के आकस्मिक निधन के बाद उनकी आत्मिक शांति के लिए आयोजित की गई थी। इस अवसर पर, स्वामी जी ने दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं और शोकाकुल परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार दिन के बाद रात निश्चित है, उसी तरह जन्म के बाद मृत्यु भी अटल सत्य है।

अपने संबोधन में, संत श्री ने आत्मा के शाश्वत स्वरूप का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि आत्मा अजर-अमर और अविनाशी है, जो मन, बुद्धि और चित्त की सभी गतिविधियों और दृश्यों की मात्र साक्षी है। यह सहज, सरल, स्वाभाविक, नित्य और अपने आप में पूर्ण है। यह जन्म-मरण के बंधन से परे है और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने समझाया कि परमात्मा ने जीवन जीने के सभी अधिकार मनुष्य को दिए, किंतु जन्म-मरण का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा है। जब जीवात्मा पंचभौतिक शरीर को त्यागकर अपने निज धाम की ओर उड़ान भरती है, तो जड़ और चेतन अलग हो जाते हैं। पाँचों जड़ तत्व अपनी जगह वापस चले जाते हैं और परम चेतन आत्म तत्व अपने शाश्वत, सनातन स्रोत में एकाकार हो जाता है। इस तरह, जन्म-मरण का चक्र समाप्त हो जाता है। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी ने आगे कहा कि ÷जैसा सपना रात का, ऐसा यह संसार।÷ उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्ण ब्रह्मांड में दिखाई देने वाला हर प्रपंच अस्थायी है और नित्य बदलता रहता है, यह केवल एक स्वप्न के समान है। इसके विपरीत, आत्मा अडिग-अडोल, निर्गुण, निराकार और सच्चिदानंद स्वरूप है। उन्होंने आकाश का उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस प्रकार सूर्य, चंद्रमा और ग्रहों की हलचल का आकाश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, उसी प्रकार मन और बुद्धि में होने वाले उतार-चढ़ाव का आत्मा पर कोई असर नहीं होता। आत्मा तटस्थ भाव से सभी आंतरिक और बाहरी दृश्यों की साक्षी रहती है।

स्वामी जी ने मोक्ष और मुक्ति के लिए एक सहज और सटीक मार्ग सुझाया। उन्होंने कहा कि संसार के आवागमन से छुटकारा पाने के लिए हमें समय के ब्रह्मनिष्ठ सतगुरु की कृपा से परमात्मा को जानना, पहचानना और उसका प्रत्यक्ष साक्षात्कार करना चाहिए। इसके बाद, सुरत-शब्दयोग का अभ्यास करना आवश्यक है। यह एक ऐसी युक्ति है जिसमें व्यक्ति ब्रह्मांड में निरंतर गूंज रही ईश्वरीय दिव्य शब्दधुन को सुनने का अभ्यास करता है। यही वास्तविक भजन और आत्मिक आनंद को प्राप्त करने का सरल तरीका है।

कार्यक्रम के अंत में, दिवंगत आत्मा को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत, गुरु का भंडारा वितरित किया गया और पगड़ी की रस्म अदा की गई, जिसमें सभी रिश्तेदारों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस आध्यात्मिक संदेश ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

अशोक धम्म विजय दशमी, इतिहास और महत्व

अशोक धम्म विजय दशमी एक महत्वपूर्ण दिन है जो सम्राट अशोक के जीवन की एक ऐतिहासिक घटना से जुड़ा है। यह दिन न केवल सम्राट अशोक के शस्त्र-त्याग और बौद्ध धर्म अपनाने का प्रतीक है, बल्कि यह धम्म (धर्म) की विजय का भी प्रतिनिधित्व करता है।

सम्राट अशोक का धम्म की ओर परिवर्तन

सम्राट अशोक (304 ईसा पूर्व - 232 ईसा पूर्व) भारतीय इतिहास के सबसे महान और शक्तिशाली शासकों में से एक थे। अपने शुरुआती शासनकाल में, वे अपनी क्रूरता और साम्राज्य विस्तार के लिए जाने जाते थे। कलिंग युद्ध, जिसमें लाखों लोगों की जान गई थी, ने उनके हृदय को बदल दिया। इस नरसंहार से व्यथित होकर, उन्होंने शस्त्रों का त्याग कर दिया और धम्म (बौद्ध धर्म) को अपनाकर शांति और अहिंसा का मार्ग चुना। यह घटना 266 ईसा पूर्व में, आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी के दिन हुई थी।

सम्राट अशोक ने इस दिन को 'धम्म-विजय दिवस' घोषित किया। उन्होंने कहा कि 'शस्त्रों की विजय सबसे बड़ी विजय नहीं है, सबसे बड़ी विजय धम्म की विजय है।' इसी कारण, इस तिथि को 'अशोकादशमी' के नाम से भी जाना जाता है।

धम्म-विजय दिवस का विस्तार

सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसे अपने शासन का आधार बनाया और जनता के कल्याण के लिए कई कार्य किए।

धम्म महापात्रों की नियुक्ति: उन्होंने धम्म के सिद्धांतों का प्रचार करने और लोगों को सदाचार का मार्ग दिखाने के लिए विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

अभिलेखों का निर्माण: उन्होंने अपने विचारों और धम्म के नियमों को शिलाओं, स्तंभों और गुफाओं पर उत्कीर्ण करवाया। ये अभिलेख (शिलालेख) आज भी भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और नेपाल में मिलते हैं। ये अभिलेख बौद्ध धर्म के सबसे प्राचीन प्रमाणों में से हैं।

धर्म यात्राएँ: उन्होंने स्वयं और अपने अधिकारियों के माध्यम से धर्म यात्राएँ आयोजित कीं।

पुत्र-पुत्री का समर्पण: उन्होंने अपने पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका और अन्य देशों में भेजा। उनका यह कदम दर्शाता है कि वे धम्म को कितनी प्राथमिकता देते थे।

सार्वजनिक कल्याण के कार्य : उन्होंने मानव और पशुओं के लिए चिकित्सालय बनवाए, सड़कें और कुएं बनवाए, और पेड़ लगवाए। उनका मानना था कि लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।

अशोक धम्म विजय दशमी का महत्व 20वीं सदी में फिर से स्थापित हुआ जब डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। यह दिन भी आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी ही था। अंबेडकर ने सम्राट अशोक की तरह ही समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों को अपनाया। उन्होंने इस कदम को भारतीय समाज से जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का एक तरीका माना।

यह घटना दर्शाती है कि अशोक द्वारा शुरू की गई धम्म की परंपरा आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायक है।

अशोक चक्र: कर्तव्य और धर्म का प्रतीक

सम्राट अशोक का अशोक चक्र आज भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा है। यह 24 तीलियों वाला चक्र है, जो जीवन के 24 गुणों या धर्म मार्गों को दर्शाता है। प्रत्येक तीली एक विशेष गुण का प्रतीक है:-

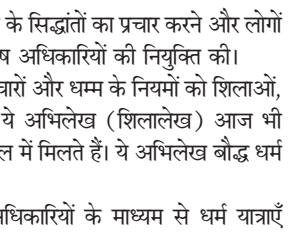

-संयम: जीवन में संयम रखना।
-शील: सदाचार और अच्छा व्यवहार।
-शांति: देश में शांति बनाए रखना।
-त्याग: समाज के लिए त्याग की भावना।
-क्षमा: दूसरों को क्षमा करने की भावना।
-प्रेम: सभी के प्रति प्रेम।
-मैत्री: मित्रता और सद्भाव।
-एकता: राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना।
-कर्तव्य: अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना।
-न्याय: सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करना।

यह चक्र हमें निरंतर प्रगति, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

सम्राट अशोक का योगदान

सम्राट अशोक का शासनकाल भारतीय इतिहास का 'स्वर्णिम काल' माना जाता है। उन्होंने न केवल एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया बल्कि शांति, सद्भाव और नैतिकता पर आधारित शासन की भी स्थापना की। उनके शासन में भारत 'विश्व गुरु' और 'सोने की चिड़िया' था। उन्होंने ज्ञान और शिक्षा के महत्व को समझते हुए तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों की स्थापना की।

सम्राट अशोक को 'चक्रवर्ती सम्राट अशोक' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'सम्राटों के सम्राट'। उनका नाम और योगदान आज भी दुनिया के महानतम शासकों में से एक के रूप में सम्मान के साथ लिया जाता है। भारतीय सेना का सर्वोच्च वीरता सम्मान, अशोक चक्र, उन्हीं के नाम पर दिया जाता है।

अशोक धम्म विजय दशमी हमें याद दिलाती है कि सच्ची विजय तलवार से नहीं, बल्कि शांति, न्याय और धम्म से प्राप्त होती है।

ई.वी. रामास्वामी 'पेरियार': क्रांति के अग्रदूत और हमारी सीख, जयंती विशेष (17 सितंबर)

भारत के इतिहास में ऐसे कई विचारक और क्रांतिकारी हुए हैं जिन्होंने भेदभाव और शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई। दुर्भाग्यवश, शोषक वर्गों द्वारा ऐसे महान व्यक्तित्वों के योगदान को अक्सर छिपा दिया जाता है। इस षड्यंत्र का शिकार हुए ऐसे ही एक दूरदर्शी क्रांतिकारी हैं ई.वी. रामासामी 'पेरियार', जिन्हें अक्सर द्रविड़ और दलित आंदोलनों तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि उनका योगदान इससे कहीं अधिक व्यापक था।

पेरियार जैसे 'बहुत ज्यादा हटकर' चलने वाले क्रांतिकारियों के सभी विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है, लेकिन उनकी विचार प्रक्रिया और एक समतावादी समाज के निर्माण की उनकी मौलिक अवधारणाओं को समझना और उन पर खुलकर चर्चा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। समानता और आत्म-सम्मान के संदर्भ में उनके विचारों को आसानी से अपनाया जा सकता है, भले ही भाषाई या प्रजातीय अलगाव और एक अलग राष्ट्र की उनकी मांग पर असहमति हो। उनके जीवन और कृतित्व से कुछ महत्वपूर्ण शिक्षाएं ग्रहण की जा सकती हैं।

पेरियार का जन्म 17 सितंबर 1879 को मद्रास प्रेसीडेंसी के इरोड में एक धनी व्यापारी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने जाति, धर्म और प्रजाति आधारित भेदभाव और शोषण को करीब से देखा, जिसने उनके मन में क्रांतिकारी विचारों को जन्म दिया। औपचारिक शिक्षा केवल पांचवीं कक्षा तक पूरी करने के बाद वे पिता के व्यवसाय में शामिल हो गए। 1898 में उनका विवाह 13 वर्षीय नागम्माल से हुआ, जिन्हें उन्होंने अपने विचारों से दीक्षित कर रूढ़ियों से मुक्ति दिलाई। उनकी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद, 1948 में 74 वर्ष की आयु में उन्होंने मनिम्माल से दूसरा विवाह किया, जिन्होंने उनके कार्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेरियार की मातृभाषा कन्नड़ थी, लेकिन वे तमिल और तेलुगु के भी जानकार थे। बचपन से ही वैष्णव संतों के उपदेशों को सुनकर उन्होंने धर्म आधारित शोषण और भेदभाव के मूल कारणों को धार्मिक सिद्धांतों में पहचान लिया था। वे ढकोसलों का उपहास उड़ाते थे और उन्होंने आजीवन एक तर्कशील पद्धति का अनुसरण किया।

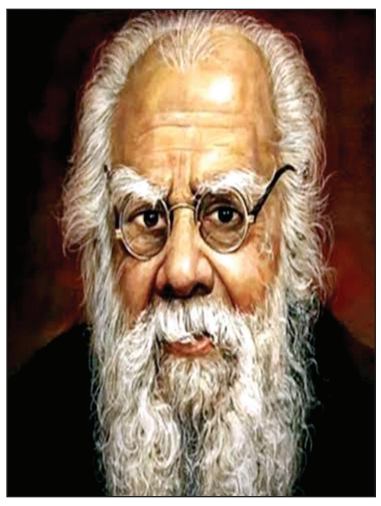

1904 में, अपने पिता से अनबन के कारण पेरियार ने घर छोड़ दिया और विजयवाड़ा, हैदराबाद, कोलकाता तथा काशी की यात्रा पर निकल पड़े। काशी में उनके साथ एक ऐसी घटना घटी जिसने उनकी सोच को पूरी तरह बदल दिया और जिस क्रांतिकारी पेरियार को हम जानते हैं, उनका जन्म हुआ।

काशी विश्वनाथ मंदिर में उन्होंने बहुत से पाखंड और भेदभाव देखे। एक ब्राह्मण धर्मशाला में मुफ्त भोजन पाने के प्रयास में, ब्राह्मण न होने के कारण उन्हें अपमानित कर बाहर निकाल दिया गया। भूख और अपमान से व्यथित पेरियार को सड़क किनारे पड़ी जूठी पत्तलों से भोजन चुनना पड़ा। इसी दौरान उनकी नज़र धर्मशाला की दीवार पर पड़ी, जहाँ लिखा था कि इसका निर्माण एक दक्षिणी गैर-ब्राह्मण धनी व्यक्ति ने करवाया है। यह देखकर उनका खून खौल उठा। उन्होंने सोचा कि यदि उस द्रविड़ सज्जन के दान से बनी धर्मशाला में भी उनका अपमान होता है, तो ऐसा धर्म और ऐसा समाज सम्मान का अधिकारी नहीं हो सकता।

यह घटना ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर के जीवन की समान घटनाओं की तरह ही थी। वर्ण या जाति आधारित इस भेदभाव ने उन्हें भीतर तक हिला दिया। तभी उन्होंने यह निर्णय लिया कि वे इस धर्म को त्यागकर आजीवन नास्तिक की तरह संघर्ष करेंगे और धर्म, जाति, लिंग, भाषा तथा प्रजाति के आधार पर चल रहे भेदभाव को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

इस घटना के बाद, एक धनी व्यापारी होते हुए भी पेरियार ने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों की सेवा में लगा दिया। उनके गांव में प्लेग फैलने पर उन्होंने बीमारों की सहायता के लिए अपने जीवन की भी परवाह नहीं की, और अन्य धनिकों को प्रेरित कर पीड़ितों के लिए धन जुटाया। उनकी इस सेवा भावना और मानवता के प्रति निष्ठा को ब्रिटिश सरकार ने भी सराहा और उन्हें मानद मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। वे कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे, जिससे उन्हें समाज और उसकी समस्याओं को करीब से समझने का अवसर मिला। इस यात्रा में उनके कई विद्वान और क्रांतिकारी मित्र बने, जिन्होंने भेदभाव को समाप्त करने के उनके प्रयासों में सहयोग दिया।

उनकी एक और विशेषता यह थी कि सामाजिक रूढ़ियों को नकारते हुए उन्होंने अपनी बाल-विधवा बहन का पुनर्विवाह करवाया, जो उस समय के समाज के लिए एक क्रांतिकारी कदम था।

पेरियार ने कई महत्वपूर्ण आंदोलन चलाए, जिनमें वाईकोम सत्याग्रह (1924-25) और आत्म-सम्मान आंदोलन (1925) प्रमुख थे। 1929-32 के दौरान यूरोप और रूस की यात्राओं ने उन्हें एक नई राजनीति और समाज निर्माण की व्यापक समझ दी। जस्टिस पार्टी और बाद में द्रविड़ कषगम पार्टी (1944) की स्थापना इसी का परिणाम थी। दक्षिण भारत की राजनीति में एक नई इबारत लिखते हुए, उन्होंने भाषा, धर्म, वर्ण, जाति और लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने के लिए जन-संगठन और व्यापक जन-जागरण किया, जिसकी मिसाल भारतीय इतिहास में मिलना मुश्किल है।

हम पेरियार से क्या सीख सकते हैं? निश्चित रूप से उनकी सभी प्रस्तावनाओं को ज्यों का त्यों नहीं लिया जा सकता, लेकिन जिन मूल्यों के आधार पर उन्होंने संघर्ष किया, वे आज भी प्रासंगिक हैं। स्पष्ट शब्दों में कहें तो, ब्राह्मणवाद से जन्मे भेदभाव का विरोध ही उनके कृतित्व की प्रेरक शक्ति थी। ब्राह्मण और गैर-ब्राह्मण, बहुजन और महिलाओं के शोषण को वे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करते थे। यही कारण है कि वे एक सशक्त दलित राजनीति के पर्याय बन गए।

तमिल भाषा और द्रविड़ प्रजाति के सम्मान पर उनका अति-आग्रह कभी-कभी अलगाववादी लग सकता है। इनसे सहमत या असहमत हुआ जा सकता है। लेकिन अगर किसी भी आधार पर शोषण और दमन बना रहे और शोषक समाज इससे बाहर जाने का रास्ता न देता हो, तो अलगाव एक सहज चुनाव बन जाता है।

हालाँकि, आज के समय में भाषा, जाति या प्रजाति के आधार पर अलग देश या अलग धर्म की मांग किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। फिर भी, अलगाव की संभावना शोषक और शोषित दोनों को एक नए और परस्पर सम्मानजनक विकल्प पर सहमति बनाने का अवसर देती है। पेरियार का जीवन हमें यह सिखाता है कि अन्याय और असमानता के खिलाफ आवाज उठाना, तर्कशीलता को अपनाना और आत्म-सम्मान के साथ जीना ही वास्तविक स्वतंत्रता का मार्ग है।

कुरुक्षेत्र में विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । शहर के प्रसिद्ध समाजसेवियों द्वारा सर्किट हाउस के नजदीक एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस पुण्य कार्य में आर.के. राहुल, कुलदीप नेहरा, और रणधीर सिंह सहित कई लोगों ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर समाजसेवी और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व सदस्य सूरजभान कटारिया ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आर.के. राहुल, कुलदीप नेहरा, और रणधीर सिंह जैसे लोग साल में कई बार भंडारे का आयोजन करते हैं, जो बहुत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है, और ऐसे आयोजन समाज में सेवाभाव को बढ़ाते हैं। आयोजकों में से एक आर.के. राहुल ने बताया कि टीम द्वारा साल में तीन से चार बार ऐसे भंडारे आयोजित करते हैं, जिसमें दूर-दराज से भी श्रद्धालु आकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से उन्हें बहुत आत्मिक संतुष्टि मिलती है। इस भंडारे को सफल बनाने में सूरजभान कटारिया, आर.के. राहुल, कुलदीप नेहरा, रणधीर सिंह, सुरेंद्र काजल, पंजाब सिंह, महीपाल फूले, सूरजभान मेहरा, रोशन लाल, दलबीर सिंह, नौरंग और गुलजार सिंह सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा।

मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन द्वारा पत्रकारों को आर्थिक सहायता, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने सराहा

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

यमुनानगर। मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन ने यमुनानगर में वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र मेहता के आवास पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पत्रकारों को आर्थिक सहायता चेक वितरित किए। इस अवसर पर मंत्री बेदी ने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए इसे पत्रकारों के हितों के लिए निरंतर कार्यरत बताया। कार्यक्रम में मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर धरनी, उपाध्यक्ष नरेश उप्पल, महासचिव सुरेंद्र मेहता, उत्तरी हरियाणा महामंत्री मेवा सिंह राणा, पवन चोपड़ा, कोषाध्यक्ष तरुण कपूर, जिला अध्यक्ष देवी दास शारदा, राजीव ऋषि सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अपने संबोधन में पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताया, जो समाज की सच्चाई को उजागर करता है और जन-जन के अधिकारों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे समाज और देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पत्रकारों की समस्याओं को हल करने और उनकी मांगों को जल्द पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने यमुनानगर के तीन पत्रकारों को अरविंद शर्माः 51 हजार रुपये, प्रदीप शर्माः 31 हजार रुपये, विजय शर्माः 31 हजार रुपये के सहायता राशि के चेक वितरित किए।

मंत्री ने भविष्य में भी सरकार द्वारा पत्रकारों के उत्थान और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा के पहले शासनकाल में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पत्रकारों को पेंशन (पहले 10 हजार, फिर 15 हजार प्रति माह) और बीमा राशि (5 लाख से 10 लाख रुपये) देने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर पत्रकारों की मांगों के लिए जोरदार पैरवी करेंगे।

मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने अपने संबोधन में बताया कि उनका संगठन पत्रकारों की भलाई के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह पहला ऐसा संगठन है जो न केवल बिना किसी शुल्क के सदस्यता देता है, बल्कि पत्रकारों को निशुल्क इंश्योरेंस पॉलिसी भी प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक पत्रकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की बात कही और आगे भी यह जारी रखने का संकल्प लिया। धरणी ने संगठन के दो मुख्य लक्ष्यों पर प्रकाश डालाः पत्रकारों का सामाजिक एवं आर्थिक संरक्षण और मीडिया कर्मियों के अधिकारों की रक्षा। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ने पहले भी बड़े स्तर पर पत्रकारों की आर्थिक मदद की है।

महासचिव सुरेंद्र मेहता ने पत्रकारों के सामने आने वाली समस्याओं, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकारों की सहायता को एक जरूरी कार्य बताया। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से संगठन के प्रति सहयोग और एकजुटता की अपील की।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन को पत्रकारों के हित में काम करने वाली संस्था बताते हुए उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी के लेख वे अक्सर पढ़ते रहते हैं और आज उनसे रूबरू होकर उन्हें खुशी हुई।

पवन चोपड़ा ने बताया कि आर्थिक सहायता के लिए गठित फंड में अभी भी राशि उपलब्ध है और जरूरतमंद पत्रकार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। उपाध्यक्ष नरेश उप्पल ने संगठन के हर स्थिति में पत्रकारों के साथ खड़े रहने की प्रतिबद्धता दोहराई, जबकि जिला अध्यक्ष देवी दास शारदा ने उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए एसोसिएशन को एक मजबूत परिवार बताया।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने भी संगठन की कार्यप्रणाली और सरकार के सहयोग की सराहना की, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। कार्यक्रम के अंत में मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों और पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई दी और भविष्य में भी बेहतर काम करने की आशा व्यक्त की। यह आयोजन पत्रकार समुदाय में एकता और समर्पण को मजबूत करने वाला कदम साबित हुआ, जिसने सभी उपस्थित पत्रकारों को नई उम्मीदें प्रदान कीं।

आदर्श व आधुनिक शहर बनेगा यमुनानगर-जगाधरी : मेयर सुमन बहमनी

गजब हरियाणा न्यूज/दीक्षित

जगाधरी। नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास, सफाई व्यवस्था व शहर के कई अहम मुद्दों को लेकर मंगलवार को मेयर सुमन बहमनी और नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में शहर में निर्माणाधीन और प्रस्तावित विकास कार्यों पर समीक्षा की गई और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही हमीदा हेड के पास नौ एकड़ में बनने वाले सुंदर पार्क व पश्चिमी यमुना नहर किनारे रिवर फ्रंट बनाने की परियोजनाओं पर जल्द काम शुरू करने की योजना तैयार की गई।

बैठक में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा शहर की सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों का रहा। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने मेयर को हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र को साफ, सुंदर , स्वच्छ व व्यवस्थित बनाने का आश्वासन दिया। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था के साथ सड़कों के सुधार, जल निकासी व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटियों को दुरुस्त करने, लावारिस पशुओं को पकड़ने, नियमित हुई कॉलोनियों में पक्की गलियां, नालियां व अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर बिंदु वार विचार-विमर्श हुआ। बैठक में शहर की साफ-सफाई, जल निकासी, आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि यमुनानगर-जगाधरी को एक आदर्श और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना, जहां हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिलें। नगर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। योजनाओं का क्रियान्वयन तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि सभी विकास कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है।

धान की खरीद कार्य को लेकर प्रबंधों में नहीं रहनी चाहिए किसी प्रकार की कमी : विश्राम कुमार मीणा

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अक्टूबर माह से शुरू होने वाले खरीफ सीजन को लेकर कुरुक्षेत्र के सभी खरीद केन्द्रों और मंडियों में प्रबंधों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इस जिले में सभी अधिकारी समय रहते तमाम आवश्यक प्रबंध पूरे करना सुनिश्चित करेंगे। इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा खरीफ सीजन 2025-26 के लिए 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले सीजन के प्रबंधों को लेकर वीरवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन सभी खरीद केन्द्रों पर ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करेंगे, सभी एसडीएम अपने-अपने उपमंडल के अधीनस्थ खरीद केन्द्रों में अपनी देख रेख में खरीद सम्बंधी आवश्यक कार्रवाई करेंगे ताकि किसी प्रकार की परेशानी सामने ना आए। इस सीजन में सम्बन्धित खरीद एजेंसियां बारदाना, उठान कार्य, मंडियों की साफ सफाई,पीने का पानी, शौचालयों की सफाई, बिजली की व्यवस्था सहित अन्य जरूरी प्रबंध करना सुनिश्चित करेंगे।

गुरुग्राम को मिली बड़ी सौगात, मेट्रो का हुआ भूमि पूजन, शहर की कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

गुरुग्राम। गुरुग्राम के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन रहा, जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का भूमि पूजन किया। यह परियोजना न केवल शहर की परिवहन व्यवस्था में क्रांति लाएगी, बल्कि इसे एक आधुनिक और सशक्त पहचान भी देगी। इस दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह परियोजना शहर की नई पहचान बनेगी और आर्थिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा देगी। इस परियोजना का पहला चरण मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-नौ तक बनाया जाएगा, जिस पर 1277 करोड़ का खर्च आएगा। इस भूमि पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री सैनी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर होना गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते हुए इस शहर को एक आधुनिक परिवहन की सख्त आवश्यकता थी, जिसे यह मेट्रो परियोजना पूरा करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल ईंट-पत्थर का प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह शहर की आर्थिक प्रगति, पर्यावरण की सुरक्षा और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का एक संकल्प है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि गुरुग्राम वासियों को इस मेट्रो के आने से ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से बड़ी राहत मिलेगी। मेट्रो का लाभ हर आम नागरिक के जीवन में महसूस होगा।

यह परियोजना सिर्फ एक कॉरिडोर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तहत भविष्य में कई महत्वपूर्ण कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है। इनमें रेजांगला चौक से द्वारका सेक्टर 21, सेक्टर 56 से पंचगांव और अन्य प्रमुख मेट्रो कॉरिडोर शामिल हैं, जो दिल्ली से करनाल, दिल्ली से नीमराणा, गुरुग्राम से फरीदाबाद और नोएडा तक कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले 11 वर्षों में देश को नई गति देने की सराहना करते हुए बताया कि गुरुग्राम के विकास के लिए लगातार बजट का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र में 1909 करोड़ खर्च किए गए हैं। यह हमारी सरकार के पूरे हरियाणा में संतुलित विकास के लक्ष्य को दर्शाता है। यह मेट्रो परियोजना गुरुग्राम के भविष्य को एक नई दिशा देगी और इसे एक वैश्विक शहर के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

एक 10 साल के बच्चे ने लैपटॉप के लिए जमा किए 5,000 रुपये बाढ़ पीड़ितों को दान किए, कायम की अनूठी मिसाल

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

बठिंडा। पंजाब में आई भयानक बाढ़ ने जहां सब कुछ तहस-नहस कर दिया है, वहीं लोगों के दिलों में मानवता की नई मिसालें भी पेश की हैं। बठिंडा जिले के गांव मलकाना के 10 वर्षीय गुरफतेह सिंह ने एक ऐसा ही दिल छू लेने वाला कदम उठाया है, जिसने सभी को भावुक कर दिया है। पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले गुरफतेह पिछले दो साल से एक लैपटॉप खरीदने का सपना देख रहे थे। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए वह रिश्तेदारों से मिले पैसे और अपनी पॉकेट मनी को एक गुल्लक में जमा कर रहे थे। धीरे-धीरे उन्होंने 5,000 रुपये की रकम जमा कर ली थी। लेकिन जब गुरफतेह ने पंजाब में बाढ़ के कारण हुई तबाही की खबरें और वीडियो देखे, तो उनका दिल पसीज गया। बाढ़ पीड़ितों का दर्द देखकर वे इतने भावुक हो गए कि उन्होंने अपने सालों के सपने से ऊपर इंसानियत को रखा। उन्होंने तुरंत अपनी गुल्लक तोड़ी और उसमें जमा 5,000 रुपये बाढ़ पीड़ितों के लिए दान कर दिए। गुरफतेह की मां करमजीत कौर ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही काफी संवेदनशील और दयालु है। बाढ़ की तबाही देखकर वह अक्सर रोने लगता था। गुरफतेह का यह निस्वार्थ भाव और त्याग दूसरों के लिए एक प्रेरणा है। उनका यह छोटा-सा कदम साबित करता है कि दया और मानवता की कोई उम्र नहीं होती। गुरफतेह ने अपनी दरियादिली से यह दिखा दिया कि सच्ची दौलत पैसों में नहीं, बल्कि दूसरों की मदद करने में है।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के तहत आवेदन आमंत्रितः उत्तम सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अल्पसंख्यक (सेवा) विभाग हरियाणा, पंचकूला द्वारा संचालित डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। छात्र-छात्राएं इस योजना का लाभ उठाने हेतु आवेदन पत्र 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल सरल हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर जमा कर सकते हैं। डीसी ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के युग में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विमुक्त घुमंतु, टपरीवास श्रेणी एवं अन्य वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग एवं प्रोत्साहन

प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को उनकी श्रेणी, कक्षा तथा प्राप्तांक के आधार पर आठ हजार रुपये से 12 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्धारित मानदंडों के अनुसार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर आठ हजार रुपये, 12वीं कक्षा में क्रमशः 75 प्रतिशत एवं 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर आठ हजार रुपये से 10 हजार रुपये तक तथा स्नातक स्तर पर 65 प्रतिशत (शहरी) और 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर नौ हजार रुपये से 12 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसी प्रकार, पिछड़ा वर्ग (ए) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 70 प्रतिशत (शहरी) एवं 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर आठ हजार रुपये, पिछड़ा वर्ग (बी) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर आठ हजार रुपये तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर आठ हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

एनआईटी क्षेत्र में ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात, 54 लाख की लागत से बनेंगी स्लिप रोड

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद नगर निगम ने एनआईटी क्षेत्र के पास के चौराहों को जाम मुक्त बनाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। नगर निगम ने इस क्षेत्र में स्लिप रोड बनाने की योजना तैयार की है, जिस पर करीब 54 लाख रुपये से अधिक का खर्च आएगा। इस कदम से न सिर्फ यातायात सुगम होगा, बल्कि लोगों को लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी। शहर के एनआईटी इलाके में कई ऐसे चौराहे हैं, जहां लोगों को भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने एनआईटी 2 और 3 ट्रैफिक लाइट चौक पर स्लिप रोड बनाने का फैसला किया है। इन सड़कों के निर्माण से वाहनों का आवागमन सुचारू हो पाएगा और ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले वाहनों की संख्या भी कम होगी। इस परियोजना के लिए नगर निगम ने 54 लाख रुपये से अधिक का बजट मंजूर किया है, जिसमें से पहले चरण के लिए 10.98 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। हालांकि, हाल ही में हुई लगातार बारिश के कारण निर्माण कार्य में थोड़ी देरी हो रही है। मौसम ठीक होते ही 90 दिनों के भीतर इस योजना पर काम शुरू होने की उम्मीद है। फरीदाबाद का एनआईटी क्षेत्र एक घनी आबादी वाला और व्यावसायिक इलाका है। यहां के चौराहों पर अक्सर सुबह और शाम के समय भारी भीड़ रहती है, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। स्लिप रोड के बनने से वाहनों को सीधे मोड़ लेने की सुविधा मिलेगी, जिससे ट्रैफिक लाइट पर वाहनों का जमावड़ा कम होगा और लोग आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच पाएंगे। यह कदम शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सरकार का महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण पर जोर

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सहकारिता विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जो प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और किसानों की भलाई को नई दिशा देंगे। इन फैसलों का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को और अधिक मजबूत तथा पारदर्शी बनाना है। सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब वीटा बूथों का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर महिलाओं को किया जाएगा, जिसमें 50 प्रतिशत तक का आरक्षण सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, महिला सीएम पैक्स के गठन और संचालन में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

ये कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। किसानों को दी जाने वाली सेवाओं में सुधार के लिए प्रदेश के सहकारी बैंकों को आधुनिक आईटी सुविधाओं से लैस करने पर जोर दिया गया है। इससे किसानों और उपभोक्ताओं को और भी पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। एक और महत्वपूर्ण निर्देश में, किसानों को दी जाने वाली सरकारी योजनाओं की सब्सिडी और अन्य भुगतानों को सीधे सहकारी बैंकों के माध्यम से जोड़ने को कहा गया है।

यह कदम भुगतान प्रक्रिया को सरल और तेज बनाएगा। गन्ना उत्पादक किसानों के लिए भी एक अच्छी खबर है। सहकारी शुगर मिलों के माध्यम से किसानों को कम किराए पर गन्ना काटने की मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उनकी लागत में कमी आएगी और काम भी आसान होगा। मुख्यमंत्री के ये फैसले दर्शाते हैं कि हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने किया पुस्तक का विमोचन

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इंस्ट्यिूट ऑफ टीचर ट्रैनिंग एंड रिसर्च की असिस्टैंट प्रोफेसर डॉ. ममता चावला की पुस्तक Know Thyself: Understanding the self (स्वयं को जानिए: स्वयं को समझना) का विमोचन किया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने पुस्तक की लेखिका डॉ. ममता चावला को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक आत्मज्ञान, आध्यात्म और जीवन के उद्देश्य से जुड़ी है। खुद को सही मायने में जानने का मतलब सिर्फ़ अपनी खूबियों और कमज़ोरियों को समझना नहीं है। इसमें अपनी क्षमता को पहचानना, मज़बूत रिश्ते बनाना और कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करना शामिल है। स्वयं को जानने के लिए आत्म-जागरूकता का अभ्यास करने के कई तरीके हैं जो इस पुस्तक में बताए गए हैं। यह पुस्तक बीएड का कोर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए लाभकारी होगी। पुस्तक की लेखिका डॉ. ममता चावला ने बताया कि यह पुस्तक युवाओं के लिए आत्म-बोध को आत्मसात करने और शांति एवं सचेतनता के माध्यम से एक समग्र रूप से संतुलित व्यक्तित्व, जीवन-कॅरियर और प्रतिस्पर्धा की ओर अपनी यात्रा में अक्षुण्ण बने रहने के लिए एक संसाधन होगी। इस पुस्तक को ट्वंटीफर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशंस, पटियाला द्वारा प्रकाशित किया गया है। 98 पृष्ठों की इस पुस्तक में 11 अध्याय शामिल किए गए हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन प्रो. उषा रानी, प्रो. अनिता दुआ, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, दिविज गुगनानी, विनोद सहगल मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र जिले में सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से, प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छता अभियान पर जोर

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। जिला के 7 ब्लॉकों में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना और विभिन्न विकासात्मक पहलों को जन आंदोलन बनाना है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों की बैठक में इस कार्यक्रम की घोषणा की और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र सेवा के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौरान, पूर्व सैनिकों की सक्रिय भागीदारी के साथ प्लास्टिक मुक्त अभियान और व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। मुख्य गतिविधियां इस प्रकार रहेगी जिनमें शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, और नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित करेगा। छात्र और शिक्षक स्वच्छता और नशा मुक्ति की शपथ लेंगे। खेल विभाग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों का आयोजन करेगा। गांवों में खेल उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा जांच शिविर और अस्पतालों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनवाड़ी केंद्रों का आधुनिकीकरण करेगा और कुपोषण से निपटने वाली उत्कृष्ट आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेगा।

प्रकाशक , सम्पादक एवं मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा मेसर्स डी बी कार्प लिमिटेड प्लाट न.42-43 सेक्टर - 29, हुडा,पानीपत से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं. 890 पी, सेक्टर - 4, अर्बन एस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233), Registretion Namber: HAR/HIN/2018/77311